अवतार लियो नंदलाल, नंद भवन बधाई बाज रही

अवतार लियो नंदलाल

धुन : सुनो सुनो सुनावे नंदलाल (रसिया)

पद : गोलोक के कृष्ण कन्हैया, ठाकुर रास बिहारी मथुरा में हो प्रकट पहुंचियो, गोकुल लीलाधारी नंदभवन में बजी बधाई, भीड़ भरी है भारी जगवंदन यशुनंदन पे, दीन "मधुप" बलिहारी

अवतार लियो नंदलाल, नंद भवन बधाई बाज रही

1. नंदभवन में आनंद छाया है,
नंदघर नंदलाला आया है नंद हो गए मालामाल,
नंदभवन बधाई.....

2. नभ देवता मंगलाचार करें,
ब्रजवासी जय जयकार करें रंग रस बरसे गुलाल,
नंदभवन बधाई.....

3. बड़ा शोना श्याम सलोना है,
मनमोहन रूप खिलौना है बड़ा सुंदर लड्डू गोपाल,
नंदभवन बधाई---

4. हरि दरस "मधुप" हरि पावत है,
सब नाचत झूमत गावत है पलना झूलत ब्रजलाल,
नंदभवन बधाई.....

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33698/title/Avtar-liyo-nandlal-nand-bhawan-badhai-baaz-rahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |